Current Affairs search results for tag: national-news

1. अटल इनोवेशन मिशन और यूएनडीपी इंडिया ने कम्युनिटी इनोवेटर फेलोशिप आरंभ किया (Feb. 11, 2022)

अटल नवाचार मिशन (एआईएम), नीति आयोग ने संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी), भारत के सहयोग से 11 फरवरी 2022 को "विज्ञान में महिलाओं और लड़कियों के अंतर्राष्ट्रीय दिवस" के उपलक्ष्य में कम्युनिटी इनोवेटर फेलोशिप (सीआईएफ) का शुभारंभ किया।

इस फेलोशिप को 'प्री-इन्क्यूबेशन मॉडल' के रूप में विकसित किया गया है जो युवाओं को सामुदायिक मुद्दों को हल करने के लिए सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) आधारित समाधानों पर ध्यान केंद्रित करते हुए अपने सामाजिक उद्यम स्थापित करने का अवसर प्रदान करेगी।

यूएनडीपी

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) की स्थापना 1965 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा की गई थी।

उसका मुख्यालय : न्यूयॉर्क, संयुक्त राज्य अमेरिका में है।

यूएनडीपी देशों को गरीबी उन्मूलन, असमानताओं को कम करने और लचीला बनाने में मदद करता है ताकि देश प्रगति कर सकें। संयुक्त राष्ट्र की विकास एजेंसी के रूप में, यूएनडीपी सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में देशों की मदद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

यह राष्ट्रों के बीच तकनीकी और निवेश सहयोग को बढ़ावा देता है और परिवर्तन की वकालत करता है और देशों को ज्ञान, अनुभव और संसाधनों से जोड़ता है ताकि लोगों को अपने लिए बेहतर जीवन बनाने में मदद मिल सकें। प्रत्येक में वैश्विक और राष्ट्रीय विकास चुनौतियों के समाधान पर काम करते हुए विकासशील देशों को विशेषज्ञ सलाह, प्रशिक्षण और अनुदान सहायता प्रदान करने के लिए यूएनडीपी का जोर बढ़ रहा है। हालांकि, यूएनडीपी केवल तीन मदद करने की पेशकश करता है जब राष्ट्र ऐसा करने का अनुरोध करते हैं।

नीति आयोग

राष्ट्रीय भारत परिवर्तन संस्थान (नेशनल इंस्टीट्यूशन फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया - नीति) आयोग की स्थापना 1 जनवरी 2015 को योजना आयोग की जगह लेने के लिए की गई थी।

- प्रधानमंत्री नीति आयोग के पदेन अध्यक्ष होते हैं

- वर्तमान उपाध्यक्ष: **राजीव कुमार**
- उसका मुख्यालय: **नई दिल्ली**

2. 2024 तक कृषि क्षेत्र में डीजल का उपयोग बंद करने का लक्ष्य: भारत सरकार (Feb. 12, 2022)

भारत सरकार ने 2024 तक कृषि क्षेत्र में नवीकरणीय ऊर्जा द्वारा डीजल के उपयोग को प्रतिस्थापित करने का लक्ष्य रखा है।

- [illegible], [illegible]
- [illegible]
- [illegible] 40% [illegible]

[illegible] [illegible] [illegible]

[illegible]. [illegible] 2030 [illegible] 500 GW [illegible]

[illegible] 2030 [illegible] 50% [illegible]

[illegible] [illegible] :

[illegible] [illegible]

[illegible]

[illegible] [illegible] / [illegible] [illegible]

[illegible]

[illegible] [illegible] / [illegible] [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]:

30 [illegible] 2021 [illegible] 150.54 [illegible] , [illegible]

- [illegible] : 48.55 [illegible],
- [illegible] : 46.51 [illegible]
- [illegible] : 40.03 [illegible],
- [illegible] : 10.62, [illegible]
- [illegible] : 4.83,

[illegible]

3. [illegible] (Feb. 12, 2022)

[illegible] 11 [illegible] 2022 [illegible] ‘[illegible]’ [illegible] **(QUAD)** [illegible] 2020 [illegible] 2019 [illegible]

[illegible]

[illegible] :

- [illegible] 2008 [illegible] 26/11 [illegible] 2016 [illegible]

- [illegible]

- [illegible]

- [illegible] , 2022 [illegible]

[illegible] **(QUAD)**

[illegible] 2004 [illegible] 2007 [illegible]

[illegible]

- [illegible] 2021 [illegible]

- चार देशों के नेताओं की पहली व्यक्तिगत शिखर बैठक संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा सितंबर 2021 में वाशिंगटन में आयोजित की गई थी जिसमें **ऑस्ट्रेलियाई प्रधान मंत्री स्कॉट मॉरिसन, भारतीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और जापानी प्रधान मंत्री योशीहिदे सुगा** ने भाग लिया था।

- **अगली शिखर बैठक 2022 में जापान में होगी।**

परीक्षा के लिए फुल फॉर्म

क्वाड (QUAD): क्वाड्रीलेटरल सिक्योरिटी डायलाग (चतुर्भुज सुरक्षा वार्ता)

4. भारत सरकार कार्बन कैप्चर सुविधा में उत्कृष्टता के लिए दो केंद्र स्थापित करेगी (Feb. 11, 2022)

भारत सरकार कार्बन कैप्चर और उपयोग के क्षेत्र में अत्याधुनिक अनुसंधान और अनुप्रयोग-उन्मुख पहल के लिए दीर्घकालिक अनुसंधान, डिजाइन विकास, सहयोगी और क्षमता निर्माण केंद्रों में लिए दो राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र स्थापित कर रही है।

दो केंद्र हैं:

- नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन कार्बन कैप्चर एंड यूटिलाइजेशन (एनसीओई-सीसीयू) के नाम से भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) बॉम्बे, मुंबई में और

- जवाहरलाल नेहरू सेंटर फॉर एडवांस्ड साइंटिफिक रिसर्च (जेएनसीएएसआर), में नेशनल सेंटर इन कार्बन कैप्चर एंड यूटिलाइजेशन (एनसीसीसीयू), बेंगलुरु में स्थापित किए जा रहे हैं।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

कार्बन कैप्चर स्टोरेज एंड यूटिलाइजेशन (सीसीएसयू)

कार्बन कैप्चर और स्टोरेज कार्बन डाइऑक्साइड को कैप्चर करने की प्रक्रिया है जो कि वायुमंडल में जाने से पहले जीवाश्म ईंधन का उपयोग करने औद्योगिक गतिविधियों / बिजली उत्पादन के कारण जारी की जाती है।

- कैप्चर की गई कार्बन-डाइऑक्साइड का उपयोग व्यावसायिक रूप से विपणन योग्य उत्पाद बनाने के लिए किया जा सकता है। इसे कार्बन कैप्चर स्टोरेज एंड यूटिलाइजेशन (सीसीएसयू) कहा जाता है। आम तौर पर इसका उपयोग बढ़ाया तेल निष्कर्षण में किया जाता है जहां कार्बन डाइऑक्साइड को तेल क्षेत्रों में उनकी निकासी दक्षता बढ़ाने के लिए किया जाता है।

- पहली बड़े पैमाने पर सीसीएस परियोजना ने 1996 में नॉर्वे में स्लीपनर में काम करना शुरू किया।

परीक्षा के लिए महत्वपूर्ण फुल फॉर्म:

एनसीसीसीयू / NCCCU : नेशनल सेंटर इन कार्बन कैप्चर एंड यूटिलाइजेशन।

सीसीएसयू / CCSU: कार्बन कैप्चर स्टोरेज एंड यूटिलाइजेशन।

5. इनकॉइस का तटीय सुभेद्यता सूचकांक (Feb. 11, 2022)

भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र **इंडियन नेशनल सेंटर फॉर ओशन इंफॉर्मेशन सर्विसेज, (इनकॉइस - INCOIS)**, हैदराबाद ने तटीय सुभेद्यता सूचकांक (**कोस्टल वल्नरेबिलिटी इंडेक्स - सीवीआई**) जारी किया है।

तटीय सुभेद्यता सूचकांक राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के तटीय क्षेत्रों को भविष्य में समुद्र के स्तर में वृद्धि होने पर उनके सामने आने वाले भौतिक और भूवैज्ञानिक जोखिमों के आधार पर रैंक प्रदान करता है।

सूचकांक तैयार करने के लिए, इनकॉइस ने विभिन्न मापदंडों का उपयोग किया। समुद्र का स्तर बढ़ने पर तटीय क्षेत्र में अपेक्षित परिवर्तन के आधार पर मापदंडों का चयन किया गया था। ये पैरामीटर इस पर आधारित हैं:

- ज्वारीय सीमा (रेंज);
- लहर की ऊंचाई;
- तटीय ढलान;
- तटीय ऊंचाई;
- तटरेखा परिवर्तन दर;
- भू-आकृति विज्ञान; तथा
- सापेक्ष समुद्र-स्तर परिवर्तन की ऐतिहासिक दर।

तटीय राज्यों का जोखिम मूल्यांकन

सीवीआई के अनुसार जो राज्य/केंद्र शासित प्रदेश प्रभावित होने वाले हैं, वे इस प्रकार हैं:

- गुजरात का 124 तटीय किमी या इसके तटीय क्षेत्र का 5.36 फीसदी प्रभावित होने जा रहा है; इसी तरह से
- महाराष्ट्र 11 किमी या 1.22%,
- कर्नाटक और गोवा 48 किमी या 9.54% प्रत्येक,
- केरल 15 किमी या 2.39%,
- तमिलनाडु 65 किमी या 6.38%,
- आंध्र प्रदेश 6 किमी या 0.55%,

- [illegible] 37 [illegible] 7.51%,
-
- [illegible] 49 [illegible] 2.56%,
- [illegible] 1 [illegible] 0.81%,
- [illegible] 24 [illegible] 0.96 [illegible] 8 [illegible] 0.97%[illegible]

[illegible] - INCOIS

- [illegible] 1999 [illegible] (MoES) [illegible] (ESSO) [illegible]

[illegible]:

[illegible]

[illegible]

[illegible]: [illegible]

[illegible]

[illegible] **7516.6** [illegible]

[illegible] 6100 [illegible] **1416.6** [illegible]. **1197** [illegible]

[illegible]	[illegible]	[illegible] ([illegible])
1	[illegible]	1962.0
2	[illegible]	1214.7
3	[illegible]	973.7
4	[illegible]	906.9
5	[illegible]	652.6
6	[illegible]	569.7
7	[illegible]	476.4

8	[illegible]	280.0
9	[illegible]	157.5
10	[illegible]	132.0
11	[illegible]	105
12	[illegible]	54.50
13	[illegible]	30.6
	[illegible]	7516.6

[illegible]: [illegible]

[illegible]

- **INCOIS / [illegible] :** [illegible] ([illegible], [illegible] - INCOIS)
- **CVI / [illegible]:** [illegible] ([illegible] – [illegible])[illegible]
- **ESSO / [illegible]:** [illegible] ([illegible])

6. [illegible] (Feb. 11, 2022)

[illegible] 11 [illegible] 2022 [illegible]

- [illegible] 9 [illegible] 11 [illegible] 2022 [illegible]
- [illegible]

7. [illegible] (Feb. 11, 2022)

[illegible] 2016-17 [illegible] 2021-22 [illegible] 222 [illegible]

- [illegible] 10 [illegible] 2022 [illegible] 29 [illegible] 285 [illegible] (PSLV) [illegible]
- 2016-17 [illegible] 2021-22 [illegible]:
- **[illegible] (3), [illegible] (1), [illegible] (1), [illegible] (3), [illegible] (1), [illegible] (5), [illegible] (1), [illegible] (1), [illegible] (1), [illegible] (3) , [illegible] (2), [illegible] (2), [illegible] (1), [illegible] (2), [illegible] (4), [illegible] (2), [illegible] (1), [illegible] (7), [illegible] (1) , [illegible] (1), [illegible] (2), [illegible] (5), [illegible] (1), [illegible] (2), [illegible] (2), [illegible] (1), [illegible] (6), [illegible] (222)** [illegible]

[illegible]

- [illegible] **15** [illegible] **1969** [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]

[illegible]

- [illegible] 1992 [illegible]

[illegible]

- [illegible] **([illegible])**
- [illegible] 2019 [illegible]
- [illegible]

8. [illegible] (Feb. 10, 2022)

[illegible]

- [illegible] 1,4500 [illegible]
- [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]: **[illegible]**

[illegible]: **[illegible]**

[illegible]: **[illegible]**

9. [illegible] $325m [illegible] (Feb. 10, 2022)

- [illegible] ([illegible]) [illegible] 1998 [illegible] 2003 [illegible]
- [illegible]
- [illegible] $ 325 [illegible]
- [illegible] 1999 [illegible]
- [illegible]

[illegible] ([illegible])

- अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय को विश्व न्यायालय भी कहा जाता है और यह संयुक्त राष्ट्र के छह प्रमुख अंगों में से एक है।
- इसकी **स्थापना 1945** में हुई थी
- इसका **मुख्यालय: हेग, नीदरलैंड।**
- यह सदस्य देशों के बीच विवादों से संबंधित मामलों की सुनवाई करता है लेकिन इसे अपने निर्णय को लागू करवाने की कोई शक्ति नहीं है।

युगांडा

- यह पूर्वी अफ्रीका में एक स्थलरूद्ध (लैंडलॉक) देश है। यह दुनिया में इथियोपिया के बाद दूसरा सबसे अधिक आबादी वाला स्थलरूद्ध देश है।
- राजधानी: कंपाला
- मुद्रा: युगांडा शिलिंग

कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य

- यह मध्य अफ्रीका में स्थित है। यह अल्जीरिया के बाद अफ्रीका का दूसरा सबसे बड़ा देश है।
- **राजधानी: किंशासा। यह कांगो नदी के तट पर है।**
- **कांगो विश्व की एकमात्र नदी है जो भूमध्य रेखा को दो बार पार करती है।**
- मुद्रा: **कांगो फ्रैंक**

10. अटल टनल : 10,000 फीट से अधिक ऊंचाई पर बनी विश्व की सबसे लंबी राजमार्ग सुरंग (Feb. 10, 2022)

- यूनाइटेड किंगडम स्थित **"वर्ल्ड बुक्स ऑफ रिकॉर्ड्स"** ने आधिकारिक तौर पर अटल सुरंग को **"विश्व की सबसे लंबी राजमार्ग सुरंग" के रूप में मान्यता दी है, जो समुद्र तल से औसतन 10,000 फीट की ऊंचाई पर स्थित है।**
- अटल सुरंग 9.02 किलोमीटर लंबी है और यह **मनाली-लेह राजमार्ग पर रोहतांग दर्रे** के नीचे से गुजरती है।
- यह 10,171 फीट की ऊंचाई पर है जिसका उद्घाटन प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने 3 अक्टूबर 2020 को किया था।
- इसका निर्माण **सीमा सड़क संगठन** द्वारा किया गया है।
- इसने मनाली (हिमाचल प्रदेश) और सरचू (लेह) के बीच की दूरी को 46 किमी और यात्रा के समय को चार से पांच घंटे कम कर दिया है।
- यह भारतीय सेना के लिए रणनीतिक महत्व का एक सभी मौसमों में संचालित सड़क (ऑल वेदर रोड) है क्योंकि यह सेना के लिए लद्दाख जाने के लिए एक वैकल्पिक मार्ग खोलता है।

मनाली-लेह राजमार्ग

- यह राष्ट्रीय राजमार्ग 3 का भाग है जो पंजाब में अटारी से शुरू होकर मनाली के रास्ते लद्दाख के लेह तक जाता है।
- मनाली-लेह राजमार्ग 427.7 किमी लंबा है। अटल सुरंग के खुलने के बाद हिमाचल प्रदेश में इसकी लंबाई 178 किमी और लद्दाख में लंबाई 250 किमी है।
- सरचू (लद्दाख) हिमाचल प्रदेश और लद्दाख की सीमा पर प्रमुख पड़ाव बिंदु है।